अक्षर वाङ्मय : ISSN : 2229-4929

7

बराबर की मनुष्यता की बुलंद आवाज : 'खाँटी घरेलू औरत'

डॉ. कामायनी गजानन सुर्वे

सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग, महात्मा फुले महाविद्यालय, पिंपरी, पुणे (महाराष्ट्र, भारत)

सार-संक्षेप (Abstract)

ममता कालिया समकालीन हिंदी कवयित्री हैं । साहित्यिक परिवार में पली-बढ़ी ममता जी का स्त्री –विमर्श पर आधारित काव्यसंग्रह है –'खाँटी घरेलू औरत'। स्वयं स्त्री होने के कारण आपकी कविताओं में नारी जीवन के यथार्थ की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है ।स्त्री का जीवन संघर्ष, नारी -अस्मिता, नारी समस्याओं का सामाजिक यथार्थ, स्त्री का अपने परिवार के प्रति समर्पण,स्त्री को देवता न मानकर उसे पुरुष के बराबर की मनुष्य मानना, देह से परे नारी के मन को समझना, नारी शोषण से मुक्ति,समानता का मूल्य, मानवाधिकार जैसी बहुआयामी चेतना से अनुप्राणित ममता जी की कविताओं में नारी सशक्तीकरण वाले आस्था के स्वर गूँज उठे हैं । स्त्री –विमर्श के आधार पर आपकी कविताओं का अनुशीलन किया जा सकता है । कवयित्री के अनुसार स्त्री जब अपने शोषण के ख़िलाफ़ आवाज उठाएगी तब वह बराबरी की मनुष्यता की बुलंद आवाज होगी। आम गृहिणी नारी का यथार्थ ममता जी की कविताओं में प्रकट हुआ है।

बीज शब्दावली : ममता कालिया, कविता, स्त्री विमर्श, मनुष्यता, 'खाँटी घरेलू औरत'

1. प्रस्तावना :

21 वीं शताब्दी में हिंदी कविता क्षेत्र के प्रमुख विमर्शों में स्त्री विमर्श बहुचर्चित है।स्त्री को आधी आबादी कहा गया है।निरंतर संघर्षशील जीवन,पुरुषसत्ताक समाज द्वारा नकारे गए उसके मानव-अस्तित्व के विरोध में उठाई गई आवाज, जीवनमूल्य, अपनी विशिष्ट पहचान के सशक्त स्वर स्त्री विमर्श के आधार-बिंदु हैं ।वंचितों और शोषितों में स्त्री का समावेश न हो इसके लिए नारी-प्रतिभाओं ने आज कलम चलाई है। आज अनामिका,अनीता वर्मा,रमणिका गुप्ता,कात्यायनी,निर्मला पुतुल,सुशीला टाकभौरे जैसी कवयित्रियाँ भी ममता कालिया की तरह ही स्त्री के मनुष्यत्व को अपने काव्य में वरीयता दे रही हैं,स्त्री -शोषण का विरोध कर रही हैं,स्त्री को देह के कटघरे से बाहर निकाल रही हैं।

2. साहित्य सर्वेक्षण :

ममता कालिया के साहित्य पर निम्नांकित अनुसंधान कार्य अभी तक संपन्न हुआ है :

- बिजापुरे, फैमिदा. ममता कालिया:व्यक्तित्व और कृतित्व. कानपुर : विनय प्रकाशन, 2004.
- रेजनी, वी.ए. ममता कालिया के कथा साहित्य में नारी अस्मिता की तलाश.2014
- शागी,पीटर.स्त्री एवं सामाजिक प्रसंग : ममता कालिया का कथा साहित्य.नई दिल्ली,2018

उपरोल्लेखित शोध-कार्य ममता कालिया के व्यक्तित्व और कृतित्व तथा कथा साहित्य पर हुए हैं।प्रस्तुत शोधालेख में ममता कालिया के काव्यसंग्रह 'खाँटी घरेलू औरत'का स्त्री विमर्श की दृष्टि से मूल्यांकन किया गया है।

MAHATMA PHULE MAHAVIDYALAYA PIMPRI PUNE-17